कालाजार के संबंध में निम्न बातों का ध्यान दें

- कालाजार संक्रमित बालू मक्खी के काटने से होता है।
- यह मक्खी कम रोशनी वाली और नम जगहों – जैसे कि मिट्टी की दीवारों की दरारों, चूहे के बिलों तथा नम मिट्टी में रहती है।

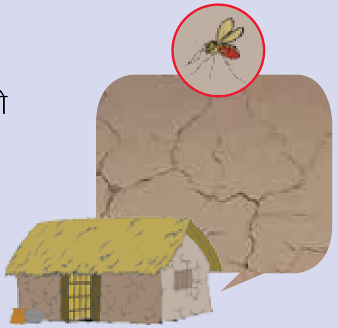

- दो हफ्ते से ज्यादा समय तक लगातार बुखार होने पर तुरन्त स्वास्थ्य केन्द्र में जांच करायें।
- बुखार, एनीमिया, जिगर तथा तिल्ली का बढ़ना कालाजार के प्रमुख लक्षण हैं।

- कालाजार होने पर रोगों से लड़ने की ताकत कम हो जाती है।

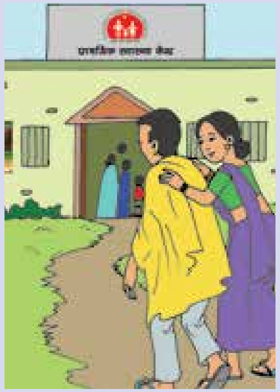

- कालाजार की जांच सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में और इलाज चुने हुए प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा सदर अस्पतालों में मुफ्त उपलब्ध है। इन सुविधाओं का उपयोग करें।
- राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति के अनुसार कालाजार का इलाज अब मात्र एक ही दिन में किया जाता है। इस हेतु सिंगल डोज लाईपोसोमल एम्फोटेरिसिन् बी (एल.ए.एम.बी.) का प्रयोग किया जाता है।
- इलाज की यह नई विधि केवल दो से ढाई घंटों की अवधि में पूरी की जाती है।

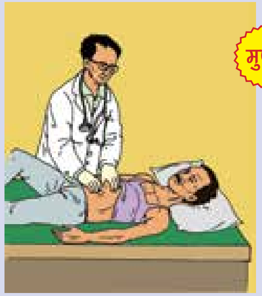

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम
आर.सी.एच. कैम्पस, नामकूम
रांची, झारखण्ड–834010
फोन: 0651–2260622, फैक्स: 0651–2261199
ईमेल: smo_smcs@yahoo.com
nvbdcp-mohfw@nic.in

NATIONAL HEALTH MISSION
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

स्वास्थ्य विभाग
झारखण्ड सरकार

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम
NVBDCP

कीटनाशक का छिड़काव
कालाजार से बचाव

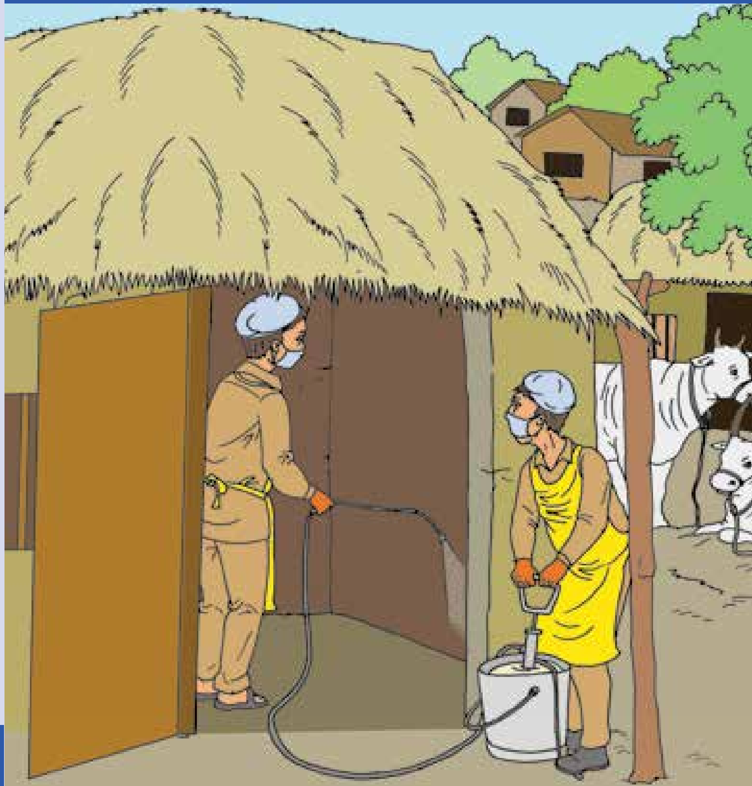

UKaid from the British people

KalaCORE

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

कीटनाशक का छिड़काव कहां, कैसे और कब करायें?

कहां और कैसे करायें?

- घरों की भीतरी दीवारों और बथानों में कीटनाशक का छिड़काव करायें।
- घर की बाहरी दीवारों और छज्जों पर छिड़काव न करायें।

कब करायें?

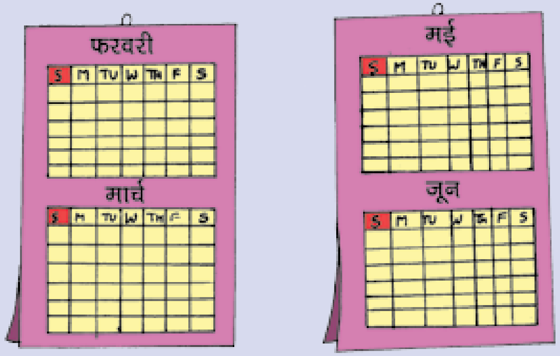

- दो बार छिड़काव कराएं
  - फरवरी/मार्च
  - मई/जून
- छिड़काव का असर लगभग 10 हफ्तों तक रहता है।

छिड़काव हर घर, हर बथान में करवाना है
कालाजार मुक्त अगर जीवन बिताना है

छिड़काव के दौरान निम्नलिखित सावधानियां बरतें

- छिड़काव से पहले घर के सभी कमरों को खाली कर दें।
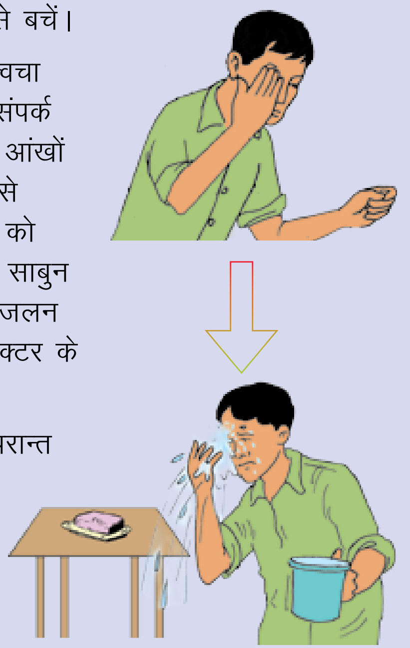
- छिड़काव के दौरान खाना-पीना या धूम्रपान न करें।
- छिड़काव के बाद 10 हफ्तों तक दीवारों पर मिट्टी की लिपाई-पुताई न करें। लिपाई-पुताई करने से कीटनाशक का असर कम हो जाता है।
- सीधे-सीधे कीटनाशक के संपर्क में आने से बचें।
- यदि आंख या त्वचा कीटनाशक के संपर्क में आ जाये, तो आंखों को साफ पानी से धोएं तथा त्वचा को साफ पानी और साबुन से धोयें। अगर जलन होती रहे तो डॉक्टर के पास जायें।
- छिड़काव के उपरान्त कम से कम दो घंटों के बाद ही कमरे में प्रवेश करें।